Sixteenth Loksabha

an>

Title: Regarding problems of Kendriya Vidyalaya in Jhunjhunu Parliamentary Constituency of Rajasthan.

श्रीमती संतोष अहलावत: महोदया, मैं आपका धन्यवाद करती हूँ, मुझे आपने शून्यकाल में एक बहुत ही महत्त्वपूर्ण मुद्दा उठाने की आपने अनुमति दी। मैं भाग्यशाली हूँ कि आदरणीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्री यहाँ बैठे हैं। मैं शिक्षा की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण जिले से आती हूँ। मैंने सरकारी स्कूलों में नामांकन वृद्धि के लिए अभूतपूर्व कार्य किया है। मैंने 'अपने विद्यालय, अपने बच्चे' योजना के तहत जो काम किया है, इससे ड्रॉप आउट बच्चे वापस विद्यालय से जुड़े हैं। आदरणीय प्रधान मंत्री ने 'मन की बात' में इस बात का जिक्र किया है।

मेरे संसदीय क्षेत्र में संचालित केन्द्रीय विद्यालय, जो जिला मुख्यालय में स्थित है, उसमें पर्याप्त कमरे नहीं हैं। उस विद्यालय में सीपीडब्ल्यूडी से 20 कमरे बनवाने के प्रस्ताव पर अनुमति के लिए आदरणीय मंत्री महोदय के पास एवं केन्द्रीय विद्यालय संगठन को भेजे हुए बहुत दिन बीत गये हैं। यहाँ पर आदरणीय मंत्री जी विराजमान हैं, मैं अनुरोध करती हूँ कि वे उक्त विद्यालय में बीस कमरे बनवाने की अनुमति दें या इसे दो पारियों में संचालित करने की अनुमति प्रदान करें। यह जिला शिक्षा की दृष्टि से बहुत ही महत्त्वपूर्ण कार्य कर रहा है।

इसलिए मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से निवेदन करना चाहती हूँ, मैं आपसे कुछ माँग नहीं कर रही हूँ, केवल विद्यालय को दो पारियों में चलाने की अनुमति माँग रही हूँ।

आपका बहुत-बहुत आभार।

माननीय अध्यक्ष: कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चंदेल, श्री भैरों प्रसाद मिश्र और *m04 डॉ. कुलमणि सामल को श्रीमती संतोष अहलावत द्वारा उठाए गए विषय से संबद्ध

करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : श्रीमती रेखा वर्मा - उपस्थित नहीं।

श्री प्रवीण कुमार निषाद।

श्री सुधीर गुप्ता (मंदसौर): महोदया, उन्होंने मंदसौर का नाम लिया है, इसलिए मुझे बोलने की अनुमति दें।…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : उनका एक भी शब्द रिकॉर्ड में नहीं गया है। आप बैठिए। यह क्या हो रहा है?

…(व्यवधान)